ISSUE #03

FOUJI DIARIES

Monthly Newsletter

Dec 2024

संपादकीय

हमारे नायकों का सम्मान: सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष

दिसंबर आते ही, देश हमारे सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान को सलाम करने के लिए तैयार हो जाता है। ***7* दिसंबर, सशस्त्र सेना झंडा दिवस**, हमें उन बहादुर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की याद दिलाता है जिन्होंने हमारी रक्षा की। यह दिन हमारे वर्तमान और पूर्व सैनिकों की बहादुरी और समर्पण का उत्सव है।

1949 से, यह दिन देशवासियों को हमारे पूर्व सैनिकों, शहीदों और उनके परिवारों का धन्यवाद करने के लिए एकजुट करता आ रहा है। **सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष *(AFFDF)*** में दिया गया योगदान, हमारे सैनिकों, विधवाओं और उनके आश्रितों को चिकित्सा सहायता, शिक्षा, प्रशिक्षण और आवास जैसी सुविधाएं प्रदान करता है। यह कोष पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्र और युद्ध स्मारक छात्रावास जैसे संस्थानों को चलाने में मदद करता है, जो हमारे नायकों और उनके परिवारों को सम्मान और देखभाल प्रदान करते हैं।

इस दिसंबर, आइए हम अपने सैनिकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। हर योगदान, चाहे वह छोटा हो या बड़ा, हमारे सम्मान और आभार का प्रतीक है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस केवल दान का नहीं, बल्कि उन परिवारों को याद करने और उनके साथ खड़े होने का दिन है जिन्होंने हमारी स्वतंत्रता के लिए बलिदान दिया। तिरंगे प्रतीक को गर्व से पहनें और इसके संदेश को साझा करें। साथ मिलकर, हम अपने नायकों के जीवन में बदलाव ला सकते हैं।

आभार का एक संदेश

हम अपने पाठकों का उनके निरंतर समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद करते हैं। फौजी डायरीज के प्रति आपकी भागीदारी हमें पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के लिए सार्थक सामग्री बनाने के लिए प्रेरित करती है। आपके सुझाव और योगदान इस मंच को समृद्ध बनाते हैं और हमारे सैनिकों के मूल्यों का सच्चा प्रतिबिंब प्रस्तुत करते हैं। कृपया अपनी कहानियां और विचार साझा करते रहें ताकि हम एक सशक्त और जुड़ा हुआ समुदाय बना सकें।

सादर धन्यवाद,

Team Esm Corner

इस न्यूज़लेटर में आपको मिलेगा:

सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष (AFFDF)

सेवानिवृत्त रक्षा कर्मियों के लिए EMERGENCY FUND क्यों आवश्यक है

ऑनलाइन अपना प्रारंभिक (पैरेंट) ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक कैसे बदलें?

SPARSH सेवाओं का उपयोग कैसे करें?

पेंशनधारी की मृत्यु के बाद पत्नी/ निकटतम परिवार सदस्य (NOK) के लिए सलाह

ईएसएम (पूर्व सैनिकों) के पुनर्वास और समर्थन के लिए कल्याण योजनाएँ

सैन्य जीवन के हास्य पहलू

सेवानिवृत्ति के बाद अपना पता और ज़ेडएसबी (ZSB) कैसे बदलें?

राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज (RIMC): नेतृत्व की राह का सुनहरा द्वार

WELFARE

सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष: हमारे सैनिकों के कल्याण और पुनर्वास के लिए एक कोष

भारत अपने बहादुर और समर्पित सैनिकों पर गर्व करता है, जो भारतीय सशस्त्र बलों में सेवा करते हैं। वे देश और इसके लोगों को विभिन्न खतरों और चुनौतियों से बचाते हैं और देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए अपने जीवन और अंगों का बलिदान देते हैं। वे हमारे नायक, हमारे शहीद, हमारे पूर्व सैनिक और हमारे भूतपूर्व सैनिक हैं। वे और उनके परिवार हमारे सम्मान, कृतज्ञता और सहयोग के पात्र हैं।

हमारे सैनिकों और उनके परिवारों का सम्मान और सहयोग करने के लिए, भारत हर साल 7 दिसंबर को सशस्त्र सेना झंडा दिवस मनाता है। यह एक विशेष दिन है, जब हम अपने सैनिकों को उनकी देश सेवा के लिए याद करते हैं और धन्यवाद करते हैं, और उनके परिवारों की देखभाल और मदद करने का वादा करते हैं। इस दिन, हम सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष (AFFDF) में भी योगदान देते हैं, जो भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं और उनके आश्रितों के साथ-साथ विकलांग सैनिकों की मदद करने वाले संस्थानों और संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस का इतिहास

सशस्त्र सेना झंडा दिवस पहली बार 7 दिसंबर, 1949 को मनाया गया था, जब भारत एक स्वतंत्र गणराज्य बना। इसका उद्देश्य जनता से धन इकट्ठा करना था, ताकि पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण और पुनर्वास में मदद की जा सके। इस दिन का उद्देश्य सशस्त्र बलों की राष्ट्र निर्माण में भूमिका और योगदान के प्रति जागरूकता और सराहना बढ़ाना भी था।

इस दिन का नाम उस झंडे से लिया गया, जो धन इकट्ठा करने के लिए इस्तेमाल किया गया था। यह झंडा एक छोटा तिरंगा था, जिसमें सफेद पृष्ठभूमि पर चार लाल क्रॉस थे, जो सशस्त्र बलों की चार शाखाओं: सेना, नौसेना, वायुसेना और प्रादेशिक सेना का प्रतिनिधित्व करते थे। बाद में इस झंडे को स्टिकर्स और बैज से बदल दिया गया, जो तीन सेवाओं के रंगों: लाल, गहरे नीले और हल्के नीले में होते हैं।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस का उद्देश्य और महत्व

सशस्त्र सेना झंडा दिवस का उद्देश्य हमारे सशस्त्र बलों की भावना और मूल्यों का उत्सव मनाना और उनके साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि देना है। यह दिन हमारे विकलांग साथियों, विधवाओं और उन परिवारों की देखभाल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और दायित्व को दोहराने का दिन है, जिन्होंने देश के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। यह दिन हमारे सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण और पुनर्वास के लिए सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में योगदान देने की हमारी उदारता और कृतज्ञता को व्यक्त करने का दिन है।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष (AFFDF)

सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष (AFFDF) भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित एक कोष है, जो भूतपूर्व सैनिकों, विधवाओं और उनके आश्रितों के साथ-साथ पैराप्लेजिक सैनिकों के पुनर्वास के लिए बनाए गए संस्थानों और संगठनों की मदद करता है। पैराप्लेजिक सैनिक वे होते हैं, जो अपने पैरों को हिला नहीं सकते।

AFFDF का उद्देश्य भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को शिक्षा, चिकित्सा उपचार, विवाह और पुनर्वास जैसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना है। यह कोष जिलों में चलने वाली विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं का भी समर्थन करता है, जैसे भूतपूर्व सैनिकों के लिए विश्राम गृह, वृद्धावस्था पेंशनभोगी गृह, व्यावसायिक और अन्य प्रशिक्षण सुविधाएं, और सेवा में कार्यरत रक्षा कर्मियों और भूतपूर्व सैनिकों के बच्चों के लिए छात्रावास।

WELFARE

आर्म्ड फोर्सेज फ्लैग डे फंड (AFFDF) द्वारा संचालित प्रमुख योजनाएं

आर्म्ड फोर्सेज फ्लैग डे फंड के माध्यम से रक्षा मंत्री पूर्व सैनिक कल्याण कोष (RMEWF) का उद्देश्य है कि पूर्व सैनिकों (ESM) और उनके परिवारों को हर प्रकार की सहायता प्रदान की जा सके। ये योजनाएं उनकी आर्थिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाई गई हैं। यहां इन योजनाओं की जानकारी दी गई है:

1. **आर्थिक रूप से कमजोर पूर्व सैनिकों के लिए सहायता** : जो पूर्व सैनिक या उनकी विधवाएं पेंशन प्राप्त नहीं कर रही हैं और आर्थिक संकट में हैं, उन्हें इस योजना के तहत छोटी आर्थिक सहायता दी जाती है।

2. **पूर्व सैनिकों के बच्चों/विधवाओं की शिक्षा के लिए सहायता :** इस योजना के तहत, पूर्व सैनिकों की विधवाओं को पोस्ट-ग्रेजुएशन की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता मिलती है। साथ ही, हवलदार या उसके समकक्ष रैंक तक के पूर्व सैनिकों के आश्रित बच्चों को भी शिक्षा के लिए सहायता दी जाती है।

3. **100% विकलांग बच्चों के लिए सहायता :** यदि किसी पूर्व सैनिक का बच्चा 100% विकलांग है, तो इस योजना के तहत उन्हें आर्थिक राहत प्रदान की जाती है।

4. **पूर्व सैनिकों की बेटियों की शादी/विधवाओं के पुनर्विवाह के लिए सहायता :** इस योजना के तहत पूर्व सैनिकों की बेटियों की शादी और विधवाओं के पुनर्विवाह के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है।

5. **गैर-पेंशनभोगी पूर्व सैनिकों के चिकित्सा उपचार के लिए सहायता:** गैर-पेंशनभोगी पूर्व सैनिकों या उनकी विधवाओं को चिकित्सा उपचार के लिए आर्थिक मदद प्रदान की जाती है।

6. **पूर्व सैनिकों के अनाथ बच्चों के लिए सहायता :** यदि किसी पूर्व सैनिक का बच्चा अनाथ हो गया है और आर्थिक रूप से कमजोर है, तो इस योजना के तहत उसे मदद दी जाती है।

7. **पूर्व सैनिकों की विधवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण सहायता :** जो विधवाएं व्यावसायिक प्रशिक्षण लेना चाहती हैं, उन्हें इस योजना के तहत आर्थिक सहायता दी जाती है।

8. **गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए सहायता :** गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, डायलिसिस आदि के इलाज के लिए गैर-पेंशनभोगी पूर्व सैनिकों और उनकी विधवाओं को चिकित्सा खर्च के लिए सहायता दी जाती है।

9. **विकलांग पूर्व सैनिकों के लिए मोबिलिटी उपकरण खरीदने में सहायता :** 50% या उससे अधिक विकलांगता के साथ सेवा से रिटायर हुए पूर्व सैनिकों के लिए इस योजना के तहत विशेष रूप से तैयार स्कूटर जैसे उपकरणों को खरीदने में मदद दी जाती है।

10. **होम लोन पर ब्याज सब्सिडी के रूप में सहायता :** घर बनाने के लिए बैंकों से लोन लेने वाले पूर्व सैनिकों (जेसीओ या समकक्ष रैंक तक) को इस योजना के तहत ब्याज का भुगतान किया जाता है।

इन योजनाओं का उद्देश्य पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। यदि आप इन योजनाओं के लिए पात्र हैं, तो आर्म्ड फोर्सेज फ्लैग डे फंड के माध्यम से आवेदन करके इन लाभों का फायदा जरूर उठाएं।

नोट: यदि आप हमारी वेबसाइट या न्यूज़लेटर के लिए कोई लेख, सुझाव या सुधार के विचार प्रस्तुत करना चाहते हैं, तो कृपया हमें व्हाट्सएप पर 8882652865 पर संपर्क करें। हम आपके सुझावों और विचारों का स्वागत करते हैं, क्योंकि ये हमें हमारे प्लेटफ़ॉर्म को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इसके अलावा, यदि आपके पास कोई लेख या डेटा है जिसे आप हमारे साथ साझा करना चाहते हैं, तो आप उसे व्हाट्सएप के माध्यम से भी भेज सकते हैं। आपकी योगदान से हमारी पत्रिका और वेबसाइट और भी अधिक उपयोगी और प्रभावशाली बन सकती है। आप हमें esmcorner@gmail.com पर भी ईमेल कर सकते हैं।

FINANCIAL PLANNING

सेवानिवृत्त रक्षा कर्मियों के लिए आपातकालीन कोष (EMERGENCY FUND) क्यों आवश्यक है

आपातकालीन कोष आपके लिए एक वित्तीय सुरक्षा कवच की तरह है। यह मेडिकल इमरजेंसी, कानूनी संकट, अप्रत्याशित यात्रा, पारिवारिक कार्यक्रम, वाहन या घर की मरम्मत, या अचानक आर्थिक समस्याओं जैसी अनियोजित परिस्थितियों में मदद करता है। भारतीय सशस्त्र बलों के दिग्गजों के लिए यह और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि सेवा के बाद का जीवन अक्सर अनिश्चितताओं से भरा होता है।

यह कोष सामान्य बजट से अलग होता है और इसका उद्देश्य ऐसी अनपेक्षित स्थितियों में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है, जिन्हें टाला नहीं जा सकता। आपातकालीन कोष को एक ऐसे दोस्त के रूप में सोचें, जो मुश्किल समय में आपकी मदद करता है। यह मानसिक शांति प्रदान करता है और आपको अनियोजित खर्चों की चिंता से बचाता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पेंशन या सेवानिवृत्ति की रकम से ऐसा कोष बनाएं, जो कम से कम छह महीने के जीवन यापन के खर्चों को कवर कर सके।

आपातकालीन कोष रखने के फायदे:

- **मानसिक शांति:** आपातकालीन कोष एक ऐसा दोस्त है, जिस पर कठिन समय में भरोसा किया जा सकता है। यह आपको अप्रत्याशित खर्चों से तनावमुक्त रखता है। जब पैसे की चिंता नहीं होती, तो आप बेहतर निर्णय ले सकते हैं। आर्थिक अनिश्चितताओं के लिए तैयार रहने से तनाव कम होता है और आपको सही सोचने में मदद मिलती है।
- **धन की सुरक्षा:** आपातकालीन कोष केवल मानसिक शांति नहीं देता, बल्कि आपके धन को भी सुरक्षित रखता है। इसके बिना, नौकरी जाने जैसी स्थिति में आपको अपनी रिटायरमेंट सेविंग्स या संपत्ति को गिरवी रखना पड़ सकता है। यदि आपका कोष छह महीने तक का खर्च संभाल सकता है, तो आपको अपनी महत्वपूर्ण बचत या निवेश को छूने की जरूरत नहीं पड़ेगी।
- **कर्ज से बचाव:** अप्रत्याशित परिस्थितियों में कर्ज लेना किसी को पसंद नहीं होता। लेकिन आपातकालीन कोष आपकी मदद करता है, ताकि आपको इन दिनों के लिए उधार लेने की जरूरत न पड़े। यह आपको कर्ज के जाल में फंसने से बचाता है।
- **आर्थिक आत्मविश्वास:** आपातकालीन कोष आपके वित्तीय प्रबंधन को सरल बनाता है। यह आपको आर्थिक चुनौतियों से निपटने का आत्मविश्वास देता है। जब आप अपने वित्तीय निर्णयों में आत्मनिर्भर महसूस करते हैं, तो यह आपके वित्तीय जीवन में सुधार लाता है।
- **वित्तीय जोखिमों में कमी:** आपातकालीन कोष एक लाइफ जैकेट की तरह काम करता है, जो आपको अनिश्चितताओं के समुद्र में सुरक्षित रखता है। यह अचानक बाजार में गिरावट, मेडिकल बिल, या महामारी जैसी स्थितियों में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है।
- **रिश्तों में सुधार:** आपातकालीन कोष का एक और लाभ यह है कि यह आपके रिश्तों को बेहतर बनाता है। जब वित्तीय तनाव कम होता है, तो यह परिवार और दोस्तों के साथ संबंधों को मजबूती प्रदान करता है।

सेवानिवृत्त रक्षा कर्मियों के लिए आपातकालीन कोष अनिवार्य है। यह अप्रत्याशित खर्चों को संभालने में मदद करता है, धन को सुरक्षित रखता है, कर्ज से बचाता है, आत्मविश्वास बढ़ाता है, जोखिम कम करता है, और रिश्तों में सुधार करता है। यह कोष एक दोस्त, एक ढाल, एक सुरक्षा जाल, और एक मददगार की तरह है। वित्तीय रूप से सुरक्षित और शांतिपूर्ण रहने का कोई विकल्प नहीं है।

ECHS

ECHS: ऑनलाइन अपने पेरेंट ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक को कैसे बदलें

ECHS Polyclinic एक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र है जो Ex-Servicemen Contributory Health Scheme (ESCHS) के तहत सेवानिवृत्त सैन्यकर्मियों और उनके आश्रितों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है। सरकार द्वारा स्वीकृत 30 क्षेत्रीय केंद्रों में 427 पॉलीक्लिनिक हैं (नेपाल में 6 पॉलीक्लिनिक को छोड़कर)। आप इस लिंक पर जाकर ECHS पॉलीक्लिनिक्स की सूची देख सकते हैं, जिसमें उनके पते और संपर्क नंबर शामिल हैं।

यदि आप एक ECHS लाभार्थी हैं, तो आप हर तीन महीने में अपना पेरेंट ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक बदल सकते हैं। एक पॉलीक्लिनिक से दूसरे पॉलीक्लिनिक में स्थानांतरण करने की सुविधा उपलब्ध है। आप यह प्रक्रिया Source Infosys एप्लिकेशन और ECHS Beneficiary App का उपयोग करके ऑनलाइन कर सकते हैं। यह लेख आपको इस एप्लिकेशन का उपयोग कैसे करें और पॉलीक्लिनिक बदलने के फायदे बताएगा।

नोट: यह सुविधा केवल नई 64 Kb स्मार्ट कार्ड वाले लाभार्थियों के लिए उपलब्ध है। यह प्रक्रिया हर तीन महीने में एक बार की जा सकती है।

जून 2024 से, आपके पेरेंट ईसीएचएस पॉलीक्लिनिक को ऑनलाइन बदलना एक बहुत आसान प्रक्रिया बन गई है। अब आपको OIC (Officer In Charge) से मैनुअल स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है। नीचे दिए गए स्टेप्स का पालन करके आप अपने पेरेंट पॉलीक्लिनिक को ECHS वेबसाइट का उपयोग करके बदल सकते हैं।

ECHS Source Infosys वेबसाइट का उपयोग करके पेरेंट पॉलीक्लिनिक बदलना

स्टेप 1: ECHS वेबसाइट पर लॉगिन करें : अपनी वेब ब्राउज़र खोलें और आधिकारिक ECHS वेबसाइट पर जाएं: echs.sourceinfosys.com

• अपने पंजीकृत उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड का उपयोग करके लॉगिन करें।

स्टेप 2: पॉलीक्लिनिक बदलने का विकल्प चुनें : लॉगिन करने के बाद, More Options टैब पर क्लिक करें। आप निम्नलिखित विकल्पों की सूची देखेंगे:

- प्राइमरी मोबाइल नंबर बदलें
- पॉलीक्लिनिक बदलें
- आवेदन वापस लें
- कार्ड खोने पर प्रिंट रीप्रिंट करें
- कार्ड ब्लॉक करें
- MRO का रिफंड लागू करें
- रिफंड लागू करें, आदि।

Change Polyclinic विकल्प पर क्लिक करें।

ECHS

स्टेप 3: लाभार्थी और नया पॉलीक्लिनिक चुनें : आपकी ECHS खाते में आपके, आपके पति/पत्नी, और आश्रितों का लाभार्थियों की सूची दिखाई देगी।

- उस लाभार्थी का चयन करें जिसके लिए आप पॉलीक्लिनिक बदलना चाहते हैं।
- ड्रॉपडाउन मेनू से नए Regional Centre और Polyclinic को चुनें।
- यदि आवश्यक हो तो टिप्पणी या अतिरिक्त जानकारी भरें।

स्टेप 4: बदलाव का अनुरोध सबमिट करें : नए पॉलीक्लिनिक का चयन करने और किसी भी टिप्पणी को प्रदान करने के बाद, Submit पर क्लिक करें।

- जून 2024 से, इस प्रक्रिया को auto-approved किया गया है, यानी आपको OIC (पुराने और नए पॉलीक्लिनिक) से मैनुअल स्वीकृति प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है।
- आपका पेरेंट पॉलीक्लिनिक स्वचालित रूप से रियल-टाइम में बदल जाएगा।

स्टेप 5: नए पैरेंट पॉलीक्लिनिक में विवरण अपडेट करें : एक बार बदलाव प्रोसेस हो जाने के बाद, अपने नए पैरेंट पॉलीक्लिनिक में जाएं और अपने विवरण को सिस्टम में अपडेट करें। इसे सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाएं:

- ECHS कार्ड को कियोस्क/iCAT में डालें
- नए पॉलीक्लिनिक में उपलब्ध कियोस्क या iCAT मशीन का उपयोग करके अपने विवरण अपडेट करें।
- ध्यान दें कि सभी पॉलीक्लिनिक में कियोस्क मशीन उपलब्ध नहीं होती, इसलिए यदि कियोस्क उपलब्ध नहीं है, तो अपनी पहली यात्रा के दौरान तीन आवश्यक कदम पूरे करना जरूरी है। सबसे पहले, OIC पॉलीक्लिनिक द्वारा आपके ECHS कार्ड को नए स्थान के लिए रीसेट किया जाएगा। दूसरा, हर पॉलीक्लिनिक का अपना यूनिक पिन होता है, इसलिए नया REPIN जनरेट करें। अंत में, अपने विवरण को अपडेट करें ताकि नए पॉलीक्लिनिक का नाम रजिस्ट्रेशन डेस्क और डॉक्टर के कंसोल पर सही तरीके से दिखे।

इन चरणों को पूरा करने के बाद आपका ECHS विवरण नए पॉलीक्लिनिक में आसानी से स्थानांतरित हो जाएगा, और आपको बिना किसी रुकावट के मेडिकल सुविधाएं मिलती रहेंगी।

ECHS Beneficiary APP का उपयोग करके पेरेंट पॉलीक्लिनिक बदलना

ECHS Beneficiary App का उपयोग करके पॉलीक्लिनिक बदलना एक तेज और आसान प्रक्रिया है। नीचे दिए गए स्टेप्स का पालन करें, ताकि आपके नए पॉलीक्लिनिक में परिवर्तन सुचारू रूप से हो सके।

स्टेप 1: ECHS Beneficiary App में रजिस्टर करें यदि आपने अभी तक रजिस्टर नहीं किया है, तो आपको पहले रजिस्टर करना होगा। यहां क्लिक करें और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया के बारे में जानें। रजिस्ट्रेशन के बाद, आप अगले स्टेप पर जा सकते हैं।

ECHS

स्टेप 2: ECHS Beneficiary App में लॉगिन करें : अपने स्मार्टफोन में ECHS Beneficiary App खोलें।

- अपने ECHS कार्ड नंबर और 4 अंकों के मोबाइल पिन का उपयोग करके लॉगिन करें।
- दिखाई गई CAPTCHA भरें और Login पर क्लिक करें।

स्टेप 3: "Request Polyclinic Change" चुनें : लॉगिन होने के बाद, होम स्क्रीन पर विभिन्न विकल्प दिखाई देंगे।

- Request Polyclinic Change विकल्प पर क्लिक करें।

स्टेप 4: नया क्षेत्रीय केंद्र और पॉलीक्लिनिक चुनें : एक नई विंडो खुलेगी जिसमें आपके वर्तमान पॉलीक्लिनिक विवरण दिखाए जाएंगे।

- इस विंडो में ड्रॉपडाउन मेनू से इच्छित क्षेत्रीय केंद्र और नया पॉलीक्लिनिक चुनें।

स्टेप 5: कारण दर्ज करें और सबमिट करें : Remarks कॉलम में पॉलीक्लिनिक बदलने का कारण संक्षेप में दर्ज करें (वैकल्पिक)।

- जब आप पूरा कर लें, तो Submit पर क्लिक करें।

स्टेप 6: स्वचालित स्वीकृति जून 2024 से, पॉलीक्लिनिक परिवर्तन स्वचालित रूप से किया जाता है, इसलिए आपको OIC से मैनुअल स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है।

आपका नया पॉलीक्लिनिक विवरण रियल-टाइम में अपडेट हो जाएगा।

इन स्टेप्स का पालन करके, आपका ECHS पॉलीक्लिनिक ECHS Beneficiary App के माध्यम से बिना किसी परेशानी के बदल जाएगा।

LEGAL HELP MADE EASY FOR EVERYONE

We offer legal Help on :

1. Notional Increment
2. Service Pension
3. Disability Pension
4. MACP
5. Family Pension
6. Non-Payment of Arrears
7. Wrong Recovery of Arrears
8. Disciplinary Cases
9. Promotion Matters
10. Gratuity matters
11. Quashing of Punishment
12. Commutation issues
13. Retiral benefits discrepancy
14. Pay Anomaly (Basic Pay & Increment)
15. Senior, Junior-related pay discrepancy or seniority
16. Family matters (Divorce & Maintenance Allowance)

All AFT CAT & HC related matters

CONTACT US ON

8882652865 www.esmcorner.com esmcorner@gmail.com

SPARSH

HOW TO USE SPARSH SERVICES

प्रश्न: SPARSH पोर्टल पर अपने सेवा अनुरोध का स्टेटस कैसे ट्रैक करें?

उत्तर: अगर आपने SPARSH पोर्टल पर एक सेवा अनुरोध (Service Request) दर्ज किया है, तो उसके स्टेटस को ट्रैक करने के लिए निम्नलिखित चरणों का पालन करें:

1. अपनी Login ID और Password के साथ SPARSH खाते में लॉगिन करें।
2. Service Requests > Track Service Request पर जाएं।
3. अपने सेवा अनुरोध का Reference Number दर्ज करें और Search पर क्लिक करें।
4. स्क्रीन पर आपके सेवा अनुरोध की स्थिति और विवरण दिख जाएंगे।

Q2: SPARSH पोर्टल पर अपनी शादी/पुनर्विवाह की जानकारी कैसे दें?

उत्तर: जब आपका पहचान सत्यापन (Identification Process) पूरा हो जाए और स्वीकृत हो जाए, तो आप अपनी शादी/पुनर्विवाह की जानकारी SPARSH पोर्टल पर अपडेट कर सकते हैं। इसके लिए निम्नलिखित चरण अपनाएं:

1. अपनी Login ID और Password के साथ SPARSH खाते में लॉगिन करें।
2. My Profile > Report Remarriage पर जाएं।
3. अपनी शादी/पुनर्विवाह की जानकारी जैसे नाम, तिथि और स्थान दर्ज करें और Save पर क्लिक करें।
4. आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी पर एक OTP प्राप्त होगा।
5. OTP दर्ज करें और बदलाव को कन्फर्म करें।

इन सरल चरणों का पालन करके, आप SPARSH पोर्टल के माध्यम से अपनी पेंशन से संबंधित जानकारी आसानी से अपडेट कर सकते हैं। यह पोर्टल सशस्त्र बलों के कर्मियों और उनके परिवारों के लिए एक विश्वसनीय और सुविधाजनक समाधान है।

पेंशनधारी की मृत्यु के बाद पत्नी/निकटतम परिवार सदस्य (NOK) के लिए सलाह

मृत्यु की सूचना देना : यदि मृत्यु अप्राकृतिक है, तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। एक पोस्टमॉर्टम (Autopsy) की मांग करें ताकि मृत्यु का सही कारण पता लगाया जा सके, खासकर कानूनी या बीमा दावों के लिए।

मेडिकल सर्टिफिकेट प्राप्त करना : डॉक्टर से मृत्यु प्रमाण पत्र (Medical Certificate) प्राप्त करें, जिसमें मृत्यु का कारण स्पष्ट रूप से लिखा हो। कम से कम दो साइन किए हुए कॉपी प्राप्त करें, जो प्रशासनिक कार्यों जैसे कि मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए आवेदन में काम आएंगी।

मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करना : स्थानीय नगर पालिका कार्यालय (Local Municipal Authority) में मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए 15 दिनों के अंदर आवेदन करें। 15-20 अटेस्टेड कॉपी प्राप्त करें, जो कानूनी और प्रशासनिक कार्यों के लिए आवश्यक होती हैं।

ADLRS के लिए आवेदन करना
ADLRS लाभों के लिए एक महीने के भीतर आवेदन करें। यह लाभ रक्षा सेवा शाखा (आर्मी, नेवी, या एयरफोर्स) के अनुसार अलग-अलग होता है।

पेंशन डिस्बर्सिंग अथॉरिटी (PDA)/बैंक को सूचित करना : यदि मृतक SPARSH पर माइग्रेट नहीं हुआ था, तो पेंशन डिस्बर्सिंग अथॉरिटी (PDA) या संबंधित बैंक को सूचित करें। पेंशन भुगतान रोकने का अनुरोध करें और परिवार पेंशन (Family Pension) प्रक्रिया शुरू करें।

SPARSH

प्रश्न: SPARSH पोर्टल में परिवार के विवरण (पति/पत्नी/निर्भर) को कैसे जोड़ें/हटाएं?

उत्तर: जब आपकी पहचान प्रक्रिया पूरी हो जाए और स्वीकृत हो, तो आप SPARSH पोर्टल में परिवार के विवरण को जोड़ने या हटाने के लिए निम्नलिखित कदम उठा सकते हैं:

1. अपने SPARSH खाते में लॉगिन करें, अपने लॉगिन आईडी और पासवर्ड का उपयोग करें।
2. My Profile > Manage Profile पर जाएं।
3. Family Details सेक्शन के पास Add या Remove बटन पर क्लिक करें।
4. जिस परिवार के सदस्य को आप जोड़ना या हटाना चाहते हैं, उसका विवरण दर्ज करें और Save पर क्लिक करें।
5. आपके पंजीकृत मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी पर एक OTP प्राप्त होगा, जो बदलाव की पुष्टि करेगा।
6. OTP दर्ज करें और Confirm पर क्लिक करें।

प्रश्न: SPARSH पोर्टल में अपने निवेश या बचत प्रमाणपत्र को कर उद्देश्यों के लिए कैसे घोषित करें?

उत्तर: आप SPARSH पोर्टल में अपने निवेश को घोषित और प्रबंधित करने के लिए निम्नलिखित कदम उठा सकते हैं:

1. अपने SPARSH खाते में लॉगिन करें, अपने लॉगिन आईडी और पासवर्ड का उपयोग करें।
2. Service Requests > Investment Declarations पर जाएं।
3. नया निवेश घोषित करने के लिए Add बटन पर या मौजूदा निवेश में बदलाव करने के लिए Edit बटन पर क्लिक करें।
4. निवेश के प्रकार, राशि, अवधि आदि का विवरण दर्ज करें और Save पर क्लिक करें।
5. निवेश के प्रमाण जैसे रसीद, प्रमाण पत्र आदि अपलोड करने के लिए Upload बटन पर क्लिक करें।
6. अपने निवेश का सारांश और अनुमानित कर देयता देखने के लिए View Summary बटन पर क्लिक करें।

पेंशनधारी की मृत्यु के बाद पत्नी/निकटतम परिवार सदस्य (NOK) के लिए सलाह

Family Pension के लिए आवेदन: मृत्यु प्रमाण पत्र संबंधित कार्यालय में प्रस्तुत करें ताकि योग्य परिवार सदस्य के लिए पेंशन लाभ जारी रह सके।

SPARSH के माध्यम से Family Pension शुरू करें: SPARSH में लॉग इन करें, आवश्यक दस्तावेज और विवरण जमा करें, और पारिवारिक पेंशन प्रक्रिया शुरू करें ताकि लाभ का सुगम स्थानांतरण हो सके।

Army Group Insurance Fund (AGIF) को सूचित करना: AGIF को सूचित करें ताकि विस्तारित जीवन बीमा लाभ का दावा किया जा सके। इसके लिए मृत्यु प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करें।

बैंक से बीमा का दावा: बैंक से DSP खाता बीमा लाभ का दावा करें और यह सुनिश्चित करें कि खाता DSP-पेंशन में रूपांतरित किया जाए ताकि दावा मंजूर हो सके।

Closing Balance का समापन/स्थानांतरण: पेंशनधारी के बैंक खातों से सभी बंद शेष राशि को उत्तराधिकारी के खाते में स्थानांतरित करने के लिए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करें।

HUMOUR IN UNIFORM

सैन्य जीवन के हास्य पहलू

जब भारतीय नौसेना के प्रमुख (CNS) एक भारतीय सेना के रेजिमेंट का दौरा कर रहे थे, तो उनके सम्मान में बीयर और अन्य पेय पदार्थों के साथ "बड़ा खाना" आयोजित किया गया था। इस दौरान, CNS सैनिकों के बीच घूमते हुए उनसे छोटे-छोटे संवाद कर रहे थे।
CNS ने एक सैनिक से पूछा, "आर्मी के सिपाही और नौसेना के नाविक में क्या फर्क है?"

सैनिक ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "सर, नौसेना का नाविक पीने से पहले अंग्रेजी बोलता है और आर्मी का सिपाही पीने के बाद अंग्रेजी बोलता है।"

HUMOUR IN UNIFORM

मैं लद्दाख के लेह में पोस्टेड था। चंडीगढ़ से जाने के लिए एयर यात्रा करनी पड़ती थी। गर्मियों में AN 32 की क्षमता विशेष रूप से लेह से चंडीगढ़ के लिए तकनीकी कारणों से काफी घट गई थी। सात जवानों को डाउनवर्ड फ्लाइट के लिए AN 32 में चढ़ने की अनुमति दी गई थी। पायलट आया और कहा कि एक जवान को उतरना होगा, क्योंकि वह केवल 6 जवानों को ही ले जाएगा। एक जवान ने जवाब दिया, "सर, 6 सवारी तो रोहतक में रिक्शा वाले ले जाते हैं," पायलट ने उसे ही उतार दिया। अगले दिन, वही पायलट आया और कहा, "कल वाले जवान को पहले बिठाओ।"

पेंशनधारी की मृत्यु के बाद पत्नी/ निकटतम परिवार सदस्य (NOK) के लिए सलाह

Identity/CSD/ECHS कार्ड्स का प्रबंधन: मृतक पेंशनधारी के पहचान पत्र, CSD, और ECHS कार्ड्स को नष्ट करने के लिए वापस करें और उत्तराधिकारी के नाम पर नए कार्ड के लिए आवेदन करें ताकि लाभ निरंतर प्राप्त हो सके।

वाहन /हथियार/ सम्पत्ति का स्थानांतरण: वाहनों, हथियारों, और संपत्तियों के स्वामित्व को उत्तराधिकारी के नाम पर स्थानांतरित करने के लिए संबंधित प्राधिकरण से संपर्क करें, ताकि कानूनी और सुगम संपत्ति स्थानांतरण सुनिश्चित हो सके।

आयकर विभाग और अन्य प्राधिकरणों को सूचित करना: आयकर अधिकारियों को सूचित करें कि मृतक का टैक्स फाइल बंद किया जाए और उत्तराधिकारी के नाम पर एक नया टैक्स फाइल खोला जाए। साथ ही, नगर निगम और संपत्ति रिकार्ड्स को अपडेट करें।

उत्तराधिकार प्रमाण पत्र या वसीयत का प्रूफ प्राप्त करना: यदि वसीयत है, तो प्रॉबेट (probate) के लिए आवेदन करें। यदि वसीयत नहीं है, तो कानूनी वारिसों को स्थापित करने के लिए जिला न्यायालय से उत्तराधिकार प्रमाण पत्र (succession certificate) के लिए आवेदन करें।

हमारी मदद करें और इस मैगज़ीन को अपने साथी पूर्व सैनिकों और नेटवर्क में साझा करें! आइए, मिलकर सुनिश्चित करें कि अधिक से अधिक पूर्व सैनिक *'FOUJI DIARIES'* के अनमोल जानकारी और अपडेट्स का पूरा लाभ उठाएं और अपने जीवन को बेहतर बनाएं!

WELFARE

पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के पुनर्वास और समर्थन के लिए कल्याण योजनाएं

भारत के रक्षा कर्मी देश के रक्षक होते हैं। वे भारतीय सशस्त्र बलों में साहस और निष्ठा के साथ कार्य करते हैं और देश को सुरक्षित और मजबूत बनाए रखते हैं। उनके कार्य के लिए उन्हें सम्मान और समर्थन की आवश्यकता होती है। लेकिन सेवा के बाद उन्हें जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जैसे कि विकलांगता, बीमारी, गरीबी या शिक्षा की कमी। उनके परिवारों को भी सहायता की आवश्यकता हो सकती है, जैसे कि शिक्षा, चिकित्सा उपचार, विवाह या अंतिम संस्कार। भारत सरकार ने 'रक्षा मंत्री पूर्व सैनिक कल्याण कोष' (RMEWF) नामक योजना बनाई है, जो उन पूर्व सैनिकों और उनकी विधवाओं को वित्तीय सहायता देती है, जिन्हें इसकी आवश्यकता होती है।

यह योजना सेना, नौसेना और वायु सेना के हवलदार और समकक्ष रैंक तक के कर्मियों के लिए है। इस योजना का संचालन केंद्रीय सैनिक बोर्ड द्वारा किया जाता है, जो पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए मुख्य निकाय है। इस योजना को प्रत्येक वर्ष 7 दिसंबर को 'आर्म्ड फोर्सेस फ्लैग डे' पर लोगों और कंपनियों द्वारा किए गए दान से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। RMEWF भारत के वीर और निष्ठावान रक्षा कर्मियों को सम्मानित करने और उनका धन्यवाद करने का एक तरीका है।

इस लेख में, हम RMEWF के तहत तीन प्रमुख कल्याण योजनाओं के बारे में चर्चा करेंगे, जो हैं पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्र (PRCs), चेशायर होम्स और युद्ध स्मारक छात्रावास (WMHs)। ये योजनाएं विकलांग और जरूरतमंद पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को देखभाल और पुनर्वास प्रदान करती हैं।

पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्र (PRCs)

पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्र (PRCs) विशेष सुविधाएं हैं जो उन रक्षा कर्मियों के लिए हैं, जिन्हें देश की सेवा करते समय रीढ़ की हड्डी में चोटें आईं। ये चोटें अंगों का आंशिक या पूर्ण पक्षाघात का कारण बनती हैं और मूत्राशय और आंत्र नियंत्रण को प्रभावित करती हैं। PRCs विकलांग और टेट्राप्लेजिक पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को सम्मानजनक और स्वतंत्र जीवन जीने में मदद करने के लिए चिकित्सा देखभाल, फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक प्रशिक्षण और अन्य सेवाएं प्रदान करते हैं। भारत में दो PRCs हैं, एक पुणे के कीरकी में और दूसरा पंजाब के मोहाली में।
ये केंद्र RMEWF द्वारा केंद्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से समर्थित हैं। PRCs पहियों वाली कुर्सियां, बैसाखी, ब्रेस, आदि जैसी गतिशीलता सहायक उपकरण प्रदान करते हैं और इसके अलावा स्कूटर, कार आदि को विकलांगों के लिए अनुकूलित करते हैं। PRCs का संचालन उनके संबंधित ट्रस्टी/प्रबंधक समिति द्वारा किया जाता है, जिसमें वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारी और प्रसिद्ध नागरिक शामिल होते हैं। PRCs हमारे विकलांग साथियों की साहस और निष्ठा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

कीरकी और मोहाली के पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्र (PRCs) को उनके संचालन और सेवाओं के समर्थन के लिए RMEWF से वार्षिक अनुदान मिलता है। कीरकी स्थित PRC को 1.2 करोड़ रुपये का एकमुश्त अनुदान मिलता है, जबकि मोहाली स्थित PRC को 10 लाख रुपये का एकमुश्त अनुदान मिलता है।

इसके अतिरिक्त, दोनों पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्र (PRCs) को प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रति वर्ष 30,000 रुपये मिलते हैं, जो उनके खर्चों को कवर करते हैं। ये अनुदान PRCs को विकलांग और टेट्राप्लेजिक पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को चिकित्सा देखभाल, फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक प्रशिक्षण और अन्य सुविधाएं प्रदान करने में मदद करते हैं।

WELFARE

चेशायर होम्स, जो RMEWF द्वारा वित्तपोषित हैं

चेशायर होम्स एक चैरिटेबल संस्था हैं जो कुष्ठ रोग, मानसिक विकलांगताएं, क्रोनिक स्पास्टिक/पैराप्लेजिक स्थितियां और टीबी मरीजों की देखभाल करती हैं, जो अधिकतर पूर्व सैनिक या उनके आश्रित होते हैं। RMEWF के सहयोग से, चेशायर होम्स मरीजों को चिकित्सा उपचार, नर्सिंग देखभाल, फिजियोथेरेपी, ऑक्यूपेशनल थेरेपी, व्यावसायिक प्रशिक्षण और सामाजिक पुनर्वास प्रदान करते हैं, जो अधिकतर बेघर होते हैं और जिनके परिवारों ने उन्हें त्याग दिया होता है। चेशायर होम्स inmates को मुख्यधारा के समाज में समाहित करने के लिए उन्हें शिक्षा, रोजगार और विवाह के अवसर भी प्रदान करते हैं। चेशायर होम्स का संचालन लेनार्ड चेशायर डिसएबिलिटी द्वारा किया जाता है, जो एक यूके-आधारित अंतरराष्ट्रीय चैरिटी है, जो स्थानीय प्राधिकरणों और गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) के सहयोग से काम करती है।

RMEWF, केSB के माध्यम से, चेशायर होम्स को प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रति वर्ष 15,000 रुपये का अनुदान प्रदान करता है, ताकि उनके नेक कार्य का समर्थन किया जा सके। यह सहायता दिल्ली, लखनऊ और राफेल राइडर इंटरनेशनल चेशायर होम, देहरादून में स्थित चेशायर होम्स को प्रदान की जाती है।

युद्ध स्मारक छात्रावास (WMHs)

युद्ध स्मारक छात्रावास (WMHs) का निर्माण युद्ध विधवाओं या युद्ध में विकलांग हुए सैन्य कर्मियों के बच्चों को आवास प्रदान करने के लिए किया गया है, चाहे वे आवेदन करने योग्य या गैर-आवेदन योग्य मामले हों, जो विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षा प्राप्त कर रहे होते हैं। WMHs विद्यार्थियों को आवास, भोजन, ट्यूशन और अन्य सुविधाएं प्रदान करते हैं, जो अधिकतर ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों से आते हैं। WMHs विद्यार्थियों को मार्गदर्शन, परामर्श और मेंटरिंग भी प्रदान करते हैं, ताकि वे अपनी शैक्षिक और करियर संबंधी लक्ष्य प्राप्त कर सकें। WMHs का संचालन संबंधित रेजिमेंटल केंद्रों द्वारा किया जाता है, जो सेना की विभिन्न रेजिमेंटों के प्रशासनिक और प्रशिक्षण इकाइयां हैं।

RMEWF, KSB के माध्यम से, WMHs के निर्माण और सजावट के लिए एक गैर-आवर्ती अनुदान और विद्यार्थियों की देखभाल और कल्याण के लिए एक आवर्ती अनुदान प्रदान करता है। आवर्ती अनुदान प्रति माह प्रति विद्यार्थी 1350 रुपये की दर से प्रदान किया जाता है, जो आवेदन करने योग्य और गैर-आवेदन योग्य दोनों मामलों पर लागू होता है। विद्यार्थियों को प्रवेश देने की प्राथमिकता निम्नलिखित क्रम में दी जाती है:

1. युद्ध विधवाओं के बच्चे।
2. युद्ध में विकलांग हुए सैनिकों के बच्चे।
3. आवेदन करने योग्य हताहतों के बच्चे।
4. गैर-आवेदन योग्य हताहतों के बच्चे (जो सेवा में निधन हुए)।

RMEWF (Raksha Mantri Ex-Servicemen Welfare Fund) की कल्याण योजनाएँ उन पूर्व सैनिकों (ESM) और उनके परिवारों को पुनर्वास और समर्थन प्रदान करती हैं, जिन्होंने देश की सेवा निष्ठा और सम्मान के साथ की है। ये योजनाएँ AFFD (Armed Forces Flag Day) फंड से वित्तपोषित होती हैं, जो नागरिकों और कॉर्पोरेट क्षेत्र की सशस्त्र बलों के प्रति एकजुटता का प्रतीक है। PRCs, Cheshire Homes और War Memorial Hostels (WMHs) जैसी योजनाएँ ESM और उनके परिवारों की विकलांगता, बीमारी, गरीबी या शिक्षा जैसी विशिष्ट जरूरतों को पूरा करती हैं, जिससे उन्हें सम्मानजनक और उत्पादक जीवन जीने का अवसर मिलता है।

HOW-TO

सेवानिवृत्त होने के बाद अपना पता और ज़िला सैनिक बोर्ड (ZSB) कैसे बदलें

सेवानिवृत्त सैनिक अक्सर काम के लिए या परिवार के साथ रहने के लिए नए स्थान पर जाते हैं, इसलिए यह सुनिश्चित करना बहुत महत्वपूर्ण है कि उनके सेवा रिकॉर्ड, खासकर उनका पता, अद्यतित रहे। इससे वे अपने लाभ बिना किसी परेशानी के प्राप्त कर सकते हैं। अपना पता बदलने के लिए ज़िला सैनिक बोर्ड (ZSB) में इस सरल मार्गदर्शन का पालन करें:

चरण 1: नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) के लिए आवेदन करें

उस ZSB में जाएं जहाँ से आपका Ex-Serviceman Identity Card जारी हुआ था। ZSB के सचिव को अपने पते को बदलने के लिए एक आवेदन लिखें और नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) के लिए आवेदन करें। यह प्रक्रिया को प्रारंभ करने के लिए आपका औपचारिक अनुरोध है।

चरण 2: आवश्यक दस्तावेज़ एकत्रित करें और संलग्न करें

अपने आवेदन के साथ, आपको कुछ दस्तावेज़ों की स्व-प्रमाणित प्रतियाँ संलग्न करनी होंगी, जैसे नया पता प्रमाणित करने के लिए आधार कार्ड, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र, उपयोगिता बिल या बैंक पासबुक। इसके अलावा, अपनी डिस्चार्ज बुक या सेवा विशेषताओं प्रमाण पत्र के सभी पृष्ठ भी संलग्न करें। पुराने ZSB द्वारा जारी मूल ESM/विधवा ID कार्ड और यदि लागू हो तो आश्रित ID कार्ड वापस कर दिए जाएंगे और नष्ट कर दिए जाएंगे। यदि आपका ID कार्ड खो गया है, तो FIR की एक प्रति संलग्न करें।

चरण 3: NOC प्राप्त करें

आपका आवेदन और दस्तावेज़ जमा करने के बाद, ZSB दो प्रतियाँ NOC की जारी करेगा—एक आपकी रिकॉर्ड के लिए और दूसरी आपकी नई ZSB/RSB को भेजने के लिए। यह दस्तावेज़ आपके रिकॉर्ड ट्रांसफर के लिए महत्वपूर्ण है।

चरण 4: सेवा रिकॉर्ड अपडेट करें

पुराना ZSB आपके पुराने ID कार्ड को रद्द करके और NOC जारी करने का एक आधिकारिक प्रविष्टि करेगा।

चरण 5: नई ZSB/RSB में रिपोर्ट करें

NOC लेकर अपनी नई ZSB/RSB में रिपोर्ट करें और उन्हें एक प्रति सौंपें। यह आपके नए बोर्ड में पते के परिवर्तन के अनुरोध को आधिकारिक रूप से पंजीकृत करता है। फिर आपको नया ESM ID कार्ड और, यदि लागू हो तो, नया आश्रित ID कार्ड जारी किया जाएगा।

चरण 6: घोषणा पत्र भरें

आपसे घोषणा पत्र भरने के लिए कहा जाएगा, जिसमें पांच प्रतियाँ आवश्यक होंगी। यह फॉर्म पते के परिवर्तन की प्रक्रिया को प्रशासनिक प्रणाली में आधिकारिक रूप से प्रारंभ करता है।

इन चरणों का पालन करके, सेवानिवृत्त सैनिक सुनिश्चित कर सकते हैं कि उनके रिकॉर्ड अपडेट किए गए हैं और वे भारतीय सशस्त्र बलों में अपनी सेवा के बाद समर्थन प्राप्त करना जारी रख सकते हैं।

चरण 7: ज़िला सैनिक बोर्ड द्वारा सत्यापन

आपकी नई ZSB पूरा किया गया घोषणा पत्र आपके पुराने ZSB को सत्यापन के लिए भेजेगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि सभी विवरण सही और उनके रिकॉर्ड के साथ मेल खाते हैं।

HOW-TO

चरण 8: रिकॉर्ड कार्यालय से सूचना

सत्यापन के बाद, आपका पुराना ZSB आपकी जानकारी रिकॉर्ड कार्यालय को भेजेगा। कार्यालय फिर एक Part-II Order/(वायुसेना/नौसेना में समकक्ष) जारी करेगा, जिसकी एक प्रति आपको प्राप्त होगी। दूसरी प्रति आपकी नई ZSB/RSB को भेजी जाएगी। यह आदेश आपके रिकॉर्ड में नए पते को मान्यता देने के लिए उपयोग किया जाएगा।

चरण 9: SPARSH PPO की जांच

यदि Part-II Order नहीं आता है, तो अपने SPARSH PPO में अपडेटेड पते की जांच करें। यदि नया पता सूचीबद्ध है, तो इसकी एक प्रति अपनी नई ZSB को दें ताकि वे अपने रिकॉर्ड में आवश्यक प्रविष्टि कर सकें।

चरण 10: SPARSH में पते का अद्यतन

यदि आपका नया पता SPARSH PPO में नहीं दिखाई देता है, तो SPARSH वेबसाइट पर जाएं और एक सेवा अनुरोध के माध्यम से पते को अद्यतन करने के लिए आवेदन करें। सुनिश्चित करें कि आप अपने नए पते का प्रमाण देने के लिए Part-II Order की स्कैन की गई प्रति शामिल करें।
यह आसान प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि आपका SPARSH खाता और सेवा दस्तावेज़ सही रूप से आपके नए पते को दिखाते हैं। अपनी जानकारी को अद्यतन रखना समय पर आपके लाभ प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। यदि आपको कोई समस्या आती है, तो आपकी Zila Sainik Board (ZSB) मदद के लिए तैयार है।

अपने सेवा रिकॉर्ड को अपडेट करके, आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आप अपनी सेवा के बाद सभी लाभ प्राप्त कर सकें। यह सिर्फ नियमों का पालन करने के बारे में नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि आप और आपका परिवार निरंतर समर्थन और धन्यवाद प्राप्त करें, जिसके आप हकदार हैं। यदि आपको किसी भी तरह की समस्या आती है, तो बस अपनी Zila Sainik Board से मदद मांगें। वे यह सुनिश्चित करेंगे कि आपका पता बदलने की प्रक्रिया सुचारू रूप से हो। याद रखें, आपके सेवा रिकॉर्ड आपके समर्पण का सम्मान करते हैं और उन्हें अद्यतन रखना आपके योगदान की विरासत का सम्मान करता है।

BROUGHT TO YOU BY	THE ESM CORNER EMPOWERING VETERANS
www.esmcorner.com	esmcorner@gmail.com 8882652865

Disclaimer: इस समाचार पत्र में दी गई जानकारी केवल सूचना के उद्देश्यों के लिए है, जो भारतीय सशस्त्र बलों और अन्य सरकारी संगठनों द्वारा चलाए गए विभिन्न प्लेटफ़ॉर्मों सहित वेबसाइटों से प्राप्त की गई है। सत्यापन आवश्यक है; हम त्रुटियों या चूक के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं लेते।

EDUCATION

राष्ट्रीय भारतीय मिलिट्री कॉलेज (RIMC): नेतृत्व की ओर एक मार्ग

राष्ट्रीय भारतीय मिलिट्री कॉलेज (RIMC), जिसकी स्थापना 1922 में ब्रिटेन के प्रिंस एडवर्ड VIII ने की थी, भारतीय रक्षा सेवाओं में शामिल होने की चाह रखने वाले युवा लड़कों और लड़कियों के लिए एक प्रमुख संस्थान है। मूल रूप से भारतीय युवाओं को रॉयल मिलिट्री कॉलेज, सैंडहर्स्ट के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किया गया था, RIMC ने एक समग्र शिक्षा प्रदान करने की दिशा में बदलाव किया है, जिसमें अकादमिक, खेल, कला और नेतृत्व प्रशिक्षण का संतुलन है। इस कॉलेज ने लगातार भारत और पाकिस्तान के मिलिट्री और नागरिक क्षेत्रों में प्रमुख नेताओं को तैयार किया है।

RIMC का दृष्टिकोण

प्रारंभ में सैंडहर्स्ट के लिए एक फीडर स्कूल के रूप में विचारित, RIMC का उद्देश्य भारतीय लड़कों को ब्रिटिश भारतीय सेना में अधिकारी बनने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना था। दशकों के साथ, इसका दृष्टिकोण विस्तारित हुआ और अब यह भारत के भविष्य के नेताओं को पोषित करने का एक केंद्र बन गया है। अनुशासन, देशभक्ति, और सहनशीलता पर जोर देते हुए, यह संस्थान कैडेटों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA), नौसेना अकादमी (NAVAC), और अन्य तकनीकी मिलिट्री कार्यक्रमों के लिए तैयार करता है।

कैंपस जीवन और अवसंरचना

देहरादून छावनी में स्थित, RIMC का परिसर हरियाली और ब्रिटिश युग की वास्तुकला से घिरा हुआ है। छात्रावास, मेस हॉल, और स्मार्ट बोर्ड और उन्नत प्रयोगशालाओं से सुसज्जित कक्षाएँ एक उत्तम शिक्षण वातावरण सुनिश्चित करती हैं। संस्थान का छात्र-शिक्षक अनुपात 12.5:1 है, जो व्यक्तिगत ध्यान देने में मदद करता है।

RIMC की अवसंरचना में तैराकी, शूटिंग, स्क्वॉश, और घुड़सवारी जैसे खेलों के लिए शानदार सुविधाएं हैं। ओलंपिक आकार की स्विमिंग पूल और अच्छे रख-रखाव वाली स्क्वॉश कोर्ट शारीरिक फिटनेस पर दिए गए जोर को उजागर करती हैं, जो अकादमिक कार्यों के साथ मिलकर काम करती हैं।

उत्कृष्टता की धरोहर

अपने एक सदी लंबे इतिहास में, RIMC ने जनरल के.एस. थिमैया, एयर चीफ मार्शल बी.एस. धनोआ, और वाइस एडमिरल हरिंदर सिंह जैसे प्रतिष्ठित नेताओं को तैयार किया है। उनके चित्र संस्थान की दीवारों पर लटके हुए हैं, जो कैडेटों को उनकी उपलब्धियों की नकल करने के लिए प्रेरित करते हैं।

कक्षा से बाहर: नेतृत्व विकास

RIMC का ध्यान नेतृत्व गुणों के संवर्धन पर है, जो अनुशासन, टीमवर्क, और सहनशीलता को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों के माध्यम से प्रोत्साहित किए जाते हैं। कैडेट्स ऐसे अतिरिक्त पाठ्यक्रमों में भाग लेते हैं जो इन गुणों को विकसित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिससे उनके समग्र विकास की प्रक्रिया सुनिश्चित होती है।

खेल और शारीरिक प्रशिक्षण

RIMC के कठोर खेल कार्यक्रम के तहत "स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क" का आदर्श वाक्य है। कैडेट्स क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल और एथलेटिक्स में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, और शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रतिदिन समर्पित समय दिया जाता है। खेलों के माध्यम से संगठन, नियमों का पालन और टीमवर्क जैसे गुण विकसित होते हैं, जो भविष्य के नेताओं के लिए आवश्यक हैं।

EDUCATION

चरित्र निर्माण

RIMC में जीवन को इस तरह से संरचित किया गया है कि वह कैडेट्स को चुनौती देता है और उन्हें दृढ़ता और आत्मनिर्भरता के मूल्य सिखाता है। कठोर दिनचर्या और विविध अनुभव उन्हें सैन्य अधिकारियों के चुनौतीपूर्ण जीवन के लिए तैयार करते हैं।

जीवनभर के संबंध

RIMC में बनती दोस्ती और साथीभावना जीवनभर बनी रहती है, जो व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के लिए एक मजबूत समर्थन नेटवर्क प्रदान करती है।

अकादमिक कठोरता और पाठ्यक्रम

RIMC केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) द्वारा अनुमोदित एक व्यापक पाठ्यक्रम का पालन करता है। यह उच्च माध्यमिक शिक्षा के लिए विज्ञान धारा प्रदान करता है, जबकि सामाजिक विज्ञान को NDA और NAVAC के UPSC प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी में मदद करने के लिए शामिल करता है।

निरंतर मूल्यांकन यह सुनिश्चित करता है कि कैडेट्स अकादमिक मानकों को पूरा करते हैं। मासिक परीक्षण, सत्र कार्य और अंतिम परीक्षा से कक्षा रैंकिंग और प्रगति निर्धारित होती है। इन कठोर मूल्यांकन विधियों के माध्यम से कैडेट्स को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जाता है, जिसमें प्रत्येक बैच का 60-90% NDA में सफलतापूर्वक प्रवेश प्राप्त करता है।

प्रवेश प्रक्रिया

RIMC हर साल दो बार कक्षा VIII में प्रवेश करता है, जिसमें प्रति सत्र लगभग 25 लड़के और 10 लड़कियों को स्वीकार किया जाता है। उम्मीदवारों की आयु 11½ से 13 वर्ष के बीच होनी चाहिए और उन्होंने कक्षा VII एक मान्यता प्राप्त स्कूल से पूरी की हो।
चयन प्रक्रिया में शामिल हैं:

1. **लिखित परीक्षा**: अंग्रेजी (125 अंक), गणित (200 अंक) और सामान्य ज्ञान (75 अंक) पर परीक्षण, प्रत्येक विषय में न्यूनतम 50% अंकों की योग्यता।
2. **मौखिक परीक्षण**: 50 अंकों का मौखिक परीक्षण, जिसमें बौद्धिक क्षमता, व्यक्तित्व और आत्मविश्वास का मूल्यांकन किया जाता है।
3. **चिकित्सीय परीक्षा**: यह सैन्य अस्पतालों में आयोजित की जाती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उम्मीदवार निर्धारित स्वास्थ्य मानकों को पूरा करते हैं।

RIMC प्रवेश परीक्षा की तैयारी

प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम निम्नलिखित है:

- **अंग्रेजी**: व्याकरण, निबंध लेखन और समझ
- **गणित**: अंकगणित से लेकर ज्यामिति और माप गणना तक के विषय
- **सामान्य ज्ञान**: इतिहास, भूगोल, विज्ञान और वर्तमान मामलों की जागरूकता

चिकित्सीय मानक

RIMC सशस्त्र बलों के दिशा-निर्देशों के आधार पर सख्त चिकित्सीय मानकों को लागू करता है। उम्मीदवारों की दृष्टि सामान्य (दोनों आंखों में 6/6) होनी चाहिए और शरीर की आवश्यकताएं जैसे BMI भी तय की गई हैं। अस्थमा, मिर्गी या प्रमुख सर्जरी जैसी स्थितियां उम्मीदवारों को अयोग्य बना सकती हैं। सभी उम्मीदवारों की फिटनेस का मूल्यांकन विशेष चिकित्सीय बोर्ड द्वारा किया जाता है।

EDUCATION

वित्तीय संरचना

RIMC गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है जो सस्ती कीमत पर उपलब्ध होती है। सुरक्षा जमा ₹30,000 है, जबकि टर्म खर्च, जिसमें ट्यूशन फीस, खेल और अतिरिक्त पाठयक्रम गतिविधियाँ शामिल हैं, लगभग ₹38,750 होते हैं।

RIMC की सुविधाएं

RIMC की सुविधाएं समग्र शैक्षिक अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई हैं:

- **पुस्तकालय:** 18,000 से अधिक पुस्तकों का संग्रह, जिसे मेजर सोमनाथ शर्मा, पहले परम वीर चक्र प्राप्तकर्ता के नाम पर रखा गया है।
- **कंप्यूटर लैब्स:** IT शिक्षा के लिए नवीनतम तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित।
- **साइबर कैफे:** अनुसंधान और संचार के लिए इंटरनेट की सुविधा।
- **खेल परिसर:** इसमें एक ओलंपिक आकार की स्विमिंग पूल, स्क्वाश कोर्ट और घुड़सवारी एरीना शामिल है।
- **एडवेंचर प्रशिक्षण:** इसमें एक रॉक क्लाइम्बिंग वॉल है, जहां कैडेट्स अपनी क्षमताओं को बढ़ा सकते हैं।

RIMC का लाभ

- **वैश्विक दृष्टिकोण**: विनिमय कार्यक्रम और अंतरराष्ट्रीय सहयोग कैडेट्स की दृष्टि को विस्तृत करते हैं, उन्हें वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं।
- **एलुमनी की सफलता:** RIMC के एलुमनी की सैन्य और नागरिक क्षेत्रों में उपलब्धियां संस्थान की उत्कृष्टता को दर्शाती हैं।
- **स्थायी धरोहर:** RIMC का नेताओं को पोषित करने के प्रति समर्पण समय की कसौटी पर खरा उतरा है, इसे रक्षा शिक्षा का एक प्रमुख संस्थान बनाता है।

RIMC देहरादून केवल एक स्कूल नहीं है; यह एक संस्थान है जो युवा मनोवृत्तियों को भविष्य के नेताओं में ढालता है। इसकी अद्वितीय शैक्षिक, शारीरिक प्रशिक्षण और चरित्र निर्माण की प्रणाली इसे अलग बनाती है। इच्छुक छात्र RIMC के प्रवेश प्रक्रिया की जांच करके और इसके समृद्ध परंपरा में खुद को समर्पित करके अपने परिवर्तनात्मक यात्रा की शुरुआत कर सकते हैं।

क्या आप हर महीने ***'FOUJI DIARIES'*** न्यूज़लेटर प्राप्त करना चाहेंगे?
नवीनतम संस्करण को हमारी वेबसाइट के फुटर सेक्शन में न्यूज़लेटर टैब से डाउनलोड करें।

क्या आप पोस्ट-रिटायरमेंट मामलों पर विश्वसनीय, प्रामाणिक और अद्यतन जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं? ***www.esmcorner.com*** पर जाएं और कम्युनिटी टैब के माध्यम से हमारे व्हाट्सएप समूह में जुड़ें, जहाँ आपको दैनिक अपडेट मिलेंगे!

Thank you for reading!